दिव्या देशमुख महिला विश्व कप चैंपियन बनीं

चर्चा में क्यों?

19 वर्षीय दिव्या देशमुख ने **FIDE महिला विश्व कप** जीतकर इतिहास रच दिया, उन्होंने अनुभवी **कोनेरू हंपी** को **टाईब्रेकर** में हराया तथा बिना किसी मानदंड के टूर्नामेंट शुरू करने के बावजूद **ग्रैंडमास्टर** का **खिताब** हासिल किया।

प्रमुख बिंदु

- **ग्रैंडमास्टर**:
  - दिव्या अब भारत की **88वीं ग्रैंडमास्टर** बन गई हैं और यह खिताब हासिल करने वाली **चौथी महिला** हैं। उनसे पहले हरिका द्रोणावल्ली, वैशाली रमेशबाबू तथा हंपी कोनेरू यह खिताब हासिल कर चुकी हैं।
  - उन्होंने फाइनल में हंपी का सामना करने से पहले चीन की विश्व नंबर 6 खिलाड़ी झू जिनिर, भारतीय अनुभवी हरिका द्रोणावल्ली और पूर्व **महिला विश्व चैंपियन तान झोंगयी** जैसी शीर्ष खिलाड़ियों को हराया।
  - एक **अंतर्राष्ट्रीय मास्टर** के रूप में शुरुआत करते हुए, उनकी जीत ने उन्हें एक विशेष **FIDE विनियमन** के तहत पारंपरिक मानदंडों को दरकिनार करते हुए भारत की चौथी महिला **ग्रैंडमास्टर** बनने के लिये योग्य बना दिया है।
- **पूर्व उपलब्धियाँ:**
  - पिछले वर्ष, उन्हें लड़कियों की श्रेणी में **विश्व जूनियर चैंपियन** का खिताब मिला।
  - इसके अतिरिक्त, उन्होंने **बुडापेस्ट में आयोजित शतरंज ओलंपियाड** में भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई, जहाँ उन्होंने व्यक्तिगत स्वर्ण भी अर्जित किया।
- **भविष्य की संभावनाएँ**
  - वे आगामी प्रतियोगिताओं में एक प्रभावशाली खिलाड़ी होंगी, जिनमें **कैंडिडेट्स टूर्नामेंट** शामिल है, जहाँ शीर्ष आठ खिलाड़ी **विश्व चैम्पियन** को चुनौती देने का अवसर प्राप्त करते हैं।
- **ऐतिहासिक समापन**
  - भारत की दोनों फाइनलिस्टों की उपस्थिति महिला शतरंज में देश के बढ़ते प्रभाव को दर्शाती है, जो ओपन वर्ग में गुकेश और प्रज्ञानंदा की सफलता के समानान्तर है तथा **चीनी** तथा **रूसी** खिलाड़ियों के दीर्घकालिक प्रभुत्व के साथ-साथ भारत की बढ़ती उपस्थिति को भी दर्शाती है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/divya-deshmukh-became-womens-world-cup-champion